प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
उत्तर प्रदेश

सेवा में,

जिलाधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति
सोनभद्र, उत्तर प्रदेश।

पत्रांकः SPMU/NHM/SS/2018-19 / 9400 दिनांकः 07-12-18

विषयः दिनांक 29 अक्टूबर – 02 नवम्बर, 2018 तक राज्य स्तर की टीम द्वारा किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण आख्या के सम्बन्ध में।

महोदय,

जैसा कि अवगत है कि राज्य स्तरीय टीम के द्वारा दिनांक 29 अक्टूबर – 02 नवम्बर, 2018 तक आपके जनपद का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान जनपद के स्वास्थ्य इकाईयों का पर्यवेक्षण एवं जनपद में संचालित विभिन्न गतिविधियों का वित्तीय परीक्षण किया गया। टीम की भ्रमण आख्या पत्र के साथ संलग्न है।

उपरोक्त के क्रम में आपसे अनुरोध है कि भ्रमण के दौरान जनपद में पायी कमियों निराकरण कराने जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें।

संलग्नक– भ्रमण आख्या।

भवदीय,

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक,

पत्रांकः SPMU/NHM/SS/2018-19 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. मण्डलायुक्त, मीरजापुर, मीरजापुर मण्डल, उत्तर प्रदेश।
2. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य भवन, उ0प्र0, लखनऊ।
3. महानिदेशक, परिवार कल्याण, महानिदेशालय, उ0प्र0, लखनऊ।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0 स्वा0 एवं प0 क0, मीरजापुर मण्डल, उत्तर प्रदेश।
5. मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश।
6. मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश।
7. समस्त महाप्रबन्धक, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0, लखनऊ।
8. मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक, एन.एच.एम. / अरबन हेल्थ कन्सल्टेंट, मीरजापुर मण्डल।
9. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन.एच.एम. / अरबन हेल्थ कोऑर्डिनेटर, जनपद– सोनभद्र।

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
उत्तर प्रदेश

सेवा में,

जिलाधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति
सोनभद्र, उत्तर प्रदेश।

पत्रांकः SPMU/NHM/SS/2018-19 दिनांकः 07-12-18

विषयः दिनांक 29 अक्टूबर – 02 नवम्बर, 2018 तक राज्य स्तर की टीम द्वारा किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण आख्या के सम्बन्ध में।

महोदय,

जैसा कि अवगत है कि राज्य स्तरीय टीम के द्वारा दिनांक 29 अक्टूबर – 02 नवम्बर, 2018 तक आपके जनपद का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान जनपद के स्वास्थ्य इकाईयों का पर्यवेक्षण एवं जनपद में संचालित विभिन्न गतिविधियों का वित्तीय परीक्षण किया गया। टीम की भ्रमण आख्या पत्र के साथ संलग्न है।

उपरोक्त के क्रम में आपसे अनुरोध है कि भ्रमण के दौरान जनपद में पायी कमियों निराकरण कराने जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें।

संलग्नक– भ्रमण आख्या।

भवदीय,

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक,

पत्रांकः SPMU/NHM/SS/2018-19 / 9400-9 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. मण्डलायुक्त, मीरजापुर, मीरजापुर मण्डल, उत्तर प्रदेश।
2. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य भवन, उ0प्र0, लखनऊ।
3. महानिदेशक, परिवार कल्याण, महानिदेशालय, उ0प्र0, लखनऊ।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0 स्वा0 एवं प0 क0, मीरजापुर मण्डल, उत्तर प्रदेश।
5. मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश।
6. मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश।
7. समस्त महाप्रबन्धक, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0, लखनऊ।
8. मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक, एन.एच.एम. / अरबन हेल्थ कन्सल्टेंट, मीरजापुर मण्डल।
9. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन.एच.एम. / अरबन हेल्थ कोऑर्डिनेटर, जनपद– सोनभद्र।

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक

जनपद सोनभद्र की सपोर्टिव सुपरविजन विजिट आख्या

भ्रमण अवधि– दिनांक 29.10.2018 से 02.11.2018

राज्य स्तरीय टीम

1. डा0 हिमांशु आर्य, सलाहकार ,आयुष, एन0एच0एम0।
2. सोमेश कुमार सिंह, सलाहकार,एन0यू0एच0एम0।

मिशन निदेशक महोदय, एन0एच0एम0 उ0प्र0 द्वारा प्रदत्त निर्देशों के क्रम में राज्य स्तरीय टीम द्वारा दिनांक 29 अक्टूबर – 02 नवम्बर, 2018 के मध्य जनपद सोनभद्र का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा सामुदायिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया। भ्रमण आख्या निम्नवत् है–

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–म्योरपुर

सम्पर्क अधिकारी– डा0 योगेश्वर (अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र)

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	आपेक्षित कार्यवाही का स्तर
उपस्थित पंजिका में समस्त चिकित्सक एवं कर्मचारियो द्वारा उपस्थिति दर्ज नही की जा रही थी। केन्द्र पर सी0एल0 रजिस्टर भी उपलब्ध नही था। चिकित्सा अधिकारी, डा0 मो0 फिरोज आब्दीन दिनांक 26.10.2018 से 30.10.2018 तक निरन्तर अनुपस्थित थे परन्तु उपस्थिति पंजीकरण में अनुपस्थित/सी0एल0 अंकित नहीं किया गया था। सारे कालम खाली छोड रखे थे। डा0 राजीव रंजन पूर्व चिकित्सा अधीक्षक, दिनांक 17.10.2018 से बिना किसी सूचना के निरन्तर अनुपस्थित है। नीरज कुमार राना फार्मासिस्ट दिनांक 14.10.2018 से 20.10.2018 तक अनुपस्थित थे तथा पुनः 24.10.2018 से 30.10.2018 तक उनके हस्ताक्षर पंजिका में नहीं थे तथा सभी कालम खाली छोडे गये थे। धीरज कुमार सिंह, दिनांक 09.10.2018 से निरन्तर अनुपस्थित थे तथा उपस्थिति पंजीकरण में ई0एल0 लिखा गया था परन्तु कार्यालय अधिक्षक , सामु0स्वा0केन्द्र म्योरपुर, उपस्थिति प्रमाण पत्र में सभी की उपस्थिति पूर्ण दिखायी गयी है तथा किसी की भी अनुपस्थिति की सूचना प्रेषित नहीं की गयी।	सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को नियमित रुप से ससमय चिकित्सालयों में उपस्थित होने तथा उपस्थिति पंजिका में समस्त चिकित्सक एवं कर्मचारियो को उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिये गये। सभी अनुपस्थित अधिकारियों /कर्मचारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
वर्तमान अधीक्षक ने 15 अक्टूबर 2018 को पद ग्रहण किया है परन्तु पूर्व अधीक्षक द्वारा उनको पूर्ण अभिलेख एवं प्रभार हस्तगत नहीं कराये गये है। जिस कारण वित्तीय एवं प्रशासनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। अवगत कराया गया है कि श्री आनन्द कुमार शुक्ला (यू0डी0सी0) को भी 01 वर्ष से श्री प्रेमचन्द्र (लिपिक) द्वारा अभिलेख एवं प्रभार हस्तगत नहीं किया गया है।	शीघ्र अतिशीघ्र प्रभार हस्तगत करने हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने का सुझाव दिया गया है।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी

परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था असंतोषजनक पायी गयी। अवगत कराया गया कि आउटसोर्स एजेन्सी द्वारा साफ–सफाई का कार्य सुचारू रूप से नहीं किया जा रहा।	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने हेतु एजेन्सी को निर्देशित किया जाये तथा अधिकारियों द्वारा रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया।	
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी। जो आई0ई0सी0 उपलब्ध थे वे पुराने थे तथा पर्याप्त नहीं थे।	अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्यक्रमों यथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन आदि की उपलब्ध सुविधाओं व सेवाप्रदाताओं का विवरण, फैमिली प्लानिंग इण्डेमनिटी स्कीम आदि का वाल पेन्टिंग के माध्यम से डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	
पैथोलाजी में निःशुल्क जांच का बोर्ड नहीं था। पैथोलाजी में उपलब्ध माइक्रो स्कोप का लेन्स खराब है।	निःशुल्क जांच हेतु नोटिस बोर्ड पर लिखा होना चाहिए। माइक्रो स्कोप का लेन्स ठीक कराने का सुझाव दिया गया।	
बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट की व्यवस्था हेतु अनुबन्धित एजेन्सी द्वारा नियमित एवं सुचारू रूप से सेवायें प्रदान नहीं की जा रही है तथा कन्ज्यूमेबिल्स भी उपलब्ध नहीं कराये जा रहे है।	अनुबन्ध में वर्णित शर्तों के अनुरूप कन्ज्यूमेबिल्स की उपलबधता तथा एजेन्सी द्वारा नियमित व सुचारू रूप से बायो मेडिकल वेस्ट निस्तारण किये जाने हेतु निर्देशित किया जाये। नियमित फीडबैक देने का सुझाव दिया गया।	
चिकित्सालय में Colour Coded Bins पर्याप्त मात्रा में निर्दिष्ट स्थानों पर उपलब्ध नहीं थे। साथ ही उपस्थित स्टाफ को बायो मेडिकल वेस्ट सेग्रीगेशन की जानकारी नहीं है।	पर्याप्त मात्रा में Colour Coded Bins समुचित स्थान पर रखने तथा समस्त सम्बन्धित स्टाफ को वेस्ट सेग्रीगेशन की जानकारी देने व बायोमेडिकल वेस्ट के समुचित निस्तारण हेतु अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
लेबर रूम में सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटोकालपोस्टर्स, हैण्डवाशिंग एरिया आदि मानकानुसार नहीं पायी गयी, लेबलिंग नियमानुसार नहीं की गयी थी।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व मेन्टर्स के सहयोग से लेबर रूम में सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकाल पोस्टर्स आदि लगवाने का सुझाव दिया गया।	
आर0बी0एस0के0 टीम हेतु चिकित्सालय में कक्ष उपलब्ध नहीं है।	स्टोर की संख्या सीमित करने के उपरान्त खाली हुए कमरों में से एक कक्ष आर0बी0एस0के0 टीम को आवंटित करने का सुझाव दिया गया।	
जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत लाभार्थियों को निःशुल्क भोजन एवं दवाईयां तथा एम्बुलेन्स की सुविधा प्रदान की जा रही थी, परन्तु डाइट रजिस्टर एवं अन्य अभिलेख अपूर्ण है।	डाइट रजिस्टर एवं अन्य अभिलेखों का समुचित रख–रखाव एवं पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें।	
ब्लाक स्तरीय एवं सर्पोटिव सुपरविजन प्लान उपलब्ध नहीं था, एम0एण्ड0ई0 एवं आर0बी0एस0के0 टीम भ्रमण हेतु उपलब्ध कराये गये वाहन की लाग बुक भरी नहीं जा रही है।	ब्लाक स्तरीय एवं सर्पोटिव सुपरविजन प्लान बनाकर सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा भ्रमण सुनिश्चित किया जाये तथा वाहनों की लाग बुक पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें।	
चिकित्सालय पर किसी भी आयुर्वेदिक चिकित्सक की तैनाती नहीं है परन्तु स्टोर में आयुर्वेदिक दवायें उपलब्ध थी।	सम्बन्धित ए0पी0एच0सी0 जहां पर आयुर्वेदिक चिकित्सक तैनात हो वहां पर आयुर्वेदिक दवायें स्थानान्तरित करने का सुझाव दिया।	

चिकित्सालय के एक बडे कक्ष में डी0डी0टी0 के बोरे भरे हुये थे, किसी को भी इसके चार्ज के सम्बन्ध में जानकारी नहीं थी।	उपलब्ध डी0डी0टी0 स्टॉक के सम्बन्ध में जानकारी करते हुये उपलब्ध डी0डी0टी0 स्टॉक के निस्तारण हेतु नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें।	चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सालय परिसर में एक खुला गहरा पानी भरा हुआ बड़ा कुआँ है, जोकि प्रयोग में नहीं है। उसकी बाउण्ड्री छोटी है, जिससे कि दुर्घटना की सम्भावना है।	कुये को बन्द अथवा कवर करने का सुझाव दिया गया।	
चिकित्सालय की बाउण्ड्री वाल नहीं है, अवगत कराया गया कि सी0एस0आर0(हिण्डाल्को) के अन्तर्गत बाउण्ड्री वाल का निर्माण प्रस्तावित है।	बाउण्ड्री वाल निर्माण हेतु आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।	

संलग्न– चेकलिस्ट।

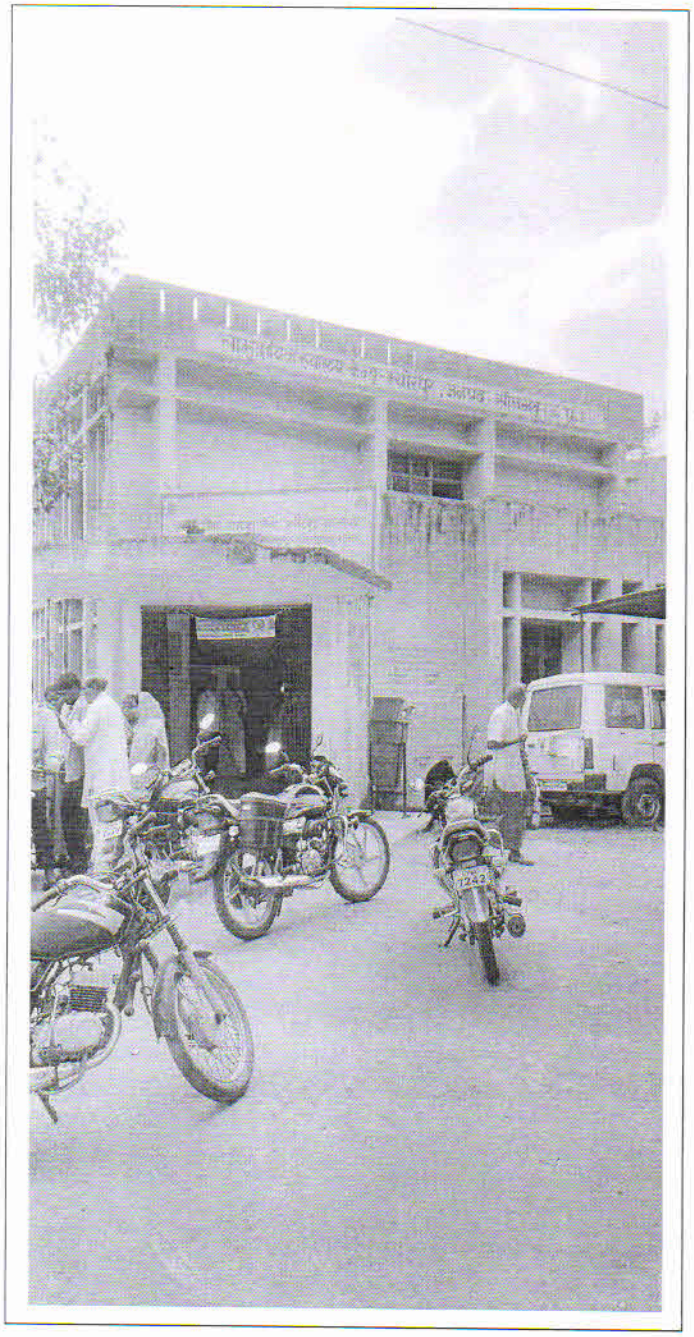

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र –शाहगंज

सम्पर्क अधिकारी– डा0 सौरभ सिंह (प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र)

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	आपेक्षित कार्यवाही का स्तर
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी
राज्य स्तर से प्रेषित दिशा निर्देश के अनुसार आई0ई0सी0 प्रदर्शित नहीं की गयी है।	अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्यक्रमों में उपलब्ध सुविधाओं व सेवाप्रदाताओं का विवरण वाल पेन्टिंग के माध्यम से डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	
लेबर रूम में निर्धारित आवश्यक ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकालपोस्टर्स, हैण्डवाशिंग एरिया आदि मानकानुसार नहीं पायी गयी, लेबलिंग नियमानुसार नहीं की गयी थी।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व मेन्टर्स के सहयोग से लेबर रूम में निर्धारित आवश्यक ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकाल पोस्टर्स आदि लगवाने का सुझाव दिया गया।	
ए0एन0सी0, डिलवरी, रिफरल आदि रजिस्टर उपलब्ध थे। एम0सी0टी0एस0 नम्बर नहीं भरे जा रहे थे।	एम0सी0टी0एस0 नम्बर अवश्य भरने हेतु निर्देशित किया गया।	
बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट की कोई व्यवस्था नहीं है। स्वास्थ्य केन्द्र पर Colour Coded Bins उपलब्ध नहीं थे तथा उपस्थित स्टाफ को वेस्ट सेग्रीगेशन की जानकारी नहीं है।	Colour Coded Bins उपलब्ध कराने तथा अनुबन्धित एजेन्सी द्वारा बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट सेवाओं को नियमित रूप से प्रदान करने हेतु सुझाव दिया गया। साथ ही समस्त सम्बन्धित स्टाफ को वेस्ट सेग्रीगेशन की जानकारी देने व बायो मेडिकल वेस्ट के समुचित निस्तारण हेतु अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	
चिकित्सालय में प्रतिमाह 150–200 प्रसव 24 X 7 सम्पादित किये जा रहे है तथा चिकित्सालय में एम0बी0बी0एस0 चिकित्सक कार्यरत है परन्तु चिकित्सालयं को एल 1 इकाई के रूप में दर्शाया जा रहा है तथा लाभार्थियों को जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत निःशुल्क भोजन की व्यवस्था नहीं है।	चिकित्सालय को प्रसव की संख्या एवं सुविधा के आधार पर नियमानुसार एल0 2 इकाई के रूप में संचालित किये जाने तथा जे0एस0 एस0के0 के अन्तर्गत सभी निःशुल्क सुविधाओं का लाभ लाभार्थियों को प्रदान किये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
चिकित्सालय में उपलब्ध 108 एम्बुलेन्स संख्या– UP41G0970, पर समाजवादी स्वास्थ्य सेवा लिखा हुआ था, तथा "निःशुल्क सेवा" का प्रारम्भिक अक्षर "निः" को मिटाने का प्रयास किया गया।	उक्त एम्बुलेन्स को वर्कशाप भेजकर उक्त सभी कमियां दूर करने हेतु निर्देशित किया गया।	

संलग्न– चेकलिस्ट।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र – राबर्टसगंज

सम्पर्क अधिकारी– डा0 जे0पी0 सिंह–

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	आपेक्षित कार्यवाही का स्तर
नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 01 एम0ओ0, 02 स्टाफ नर्स, 01 फार्मासिस्ट, 01 एल0टी0, 03 ए0एन0एम0 एवं 01 सपोर्ट स्टाफ कार्यरत है। परन्तु पाया गया कि इनके अलावा 01 आयुष चिकित्सक, 01 स्टाफ नर्स एवं 02 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भी कार्यरत है।	वर्तमान में केन्द्र पर कार्यरत स्टॉफ के नामों की सूची अंकित करने के निर्देश दिये गये।	चिकित्साधिकारी/ नोडल अधिकारी
नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खुलने का समय प्रातः 09:00 से सायं 05:00 बजे तक है, परन्तु पाया गया समस्त तैनात कर्मचारी समय से केन्द्र पर उपस्थित नही थे। मरीज प्रातः 09:00 बजे से आना शुरू हो गये परन्तु चिकित्सक एवं अन्य कर्मचारी 09:30 के बाद स्वास्थ्य केन्द्र पर उपस्थित हुए। मिशन निदेशक द्वारा बायोमैट्रिक मशीन लगाये जाने हेतु विगत माह में निर्देश दिए जा चुके है, परन्तु केन्द्र पर अभी तक बायोमैट्रिक मशीन नही लगवाई गयी है।	नोडल अधिकारी को समस्त कर्मचारियों से स्पष्टीकरण माँगने एवं सुधारात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया तथा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आगमी 15 दिवस मे बायोमेट्रीक लगवाये जाने का निर्देश दिया।	मुख्य चिकित्साधिकारी/ नोडल अधिकारी
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने व अधिकारियों द्वारा रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्साधिकारी /नोडल अधिकारी
पैथोलाजी में निःशुल्क जांच का बोर्ड नहीं था।	निःशुल्क जांच हेतु नोटिस बोर्ड पर लिखने हेतु अरबनहेल्थ कोऑडिनेटर को निर्देशित किया गया।	नोडल अधिकारी/ अरबनहेल्थ कोऑडिनेटर
नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर Colour Coded Bins उपलब्ध नहीं थे तथा उपस्थित स्टाफ को वेस्ट सेग्रीगेशन की जानकारी नहीं है।	Colour Coded Bins उपलब्ध कराने तथा समस्त सम्बन्धित स्टाफ को वेस्ट सेग्रीगेशन की जानकारी देने व बायो मेडिकल वेस्ट के समुचित निस्तारण हेतु अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी/ नोडल अधिकारी
नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को हेल्थ एण्ड वैलनेस सेन्टर में परिवर्तित किया जा चुका है परन्तु पाया गया कि केन्द्र पर हेल्थ एवं बेलनेस सेन्टर EDL अनुसार दवाईयाँ उपल्बध नही थी।	दवाईयाँ उपल्बध कराने हेतु नोडल अधिकारी/ अरबनहेल्थ कोऑडिनेटर को निर्देशित किया गया।	ए0सी0एम0ओ0/ नोडल अधिकारी
नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में मेनस्ट्रीमिंग ऑफ आयुष के अन्तर्गत कार्यरत संविदा आयुष चिकित्सक को, सम्बद्ध किया गया है। जबकि भारत सरकार द्वारा प्रदत्त दिशा–निर्देशों के अनुसार नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में मात्र एलोपैथ (एम0बी0बी0एस0) चिकित्सकों की ही नियुक्ति की जानी है।	मेनस्ट्रीमिंग ऑफ आयुष के अन्तर्गत कार्यरत संविदा आयुष चिकित्सक की सम्बद्धता नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से समाप्त कर भारत सरकार द्वारा प्रदत्त दिशा–निर्देशों के अनुसार आवश्यकतानुसार एलोपैथिक चिकित्सकों की नियुक्ति हेतु सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ नोडल अधिकारी

संलग्न– चेकलिस्ट।

सामुदायिक गतिविधियॉ (वी.एच.एन.डी.सत्र)

ग्राम / उपकेन्द्र– तिलौली कला
ए0एन0एम0– श्रीमती संगीता देवी
आशा– श्रीमती उर्मिला देवी
आगनवाड़ी कार्यकर्ता– श्रीमती विद्यादेवी

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	आपेक्षित कार्यवाही का स्तर
सत्र स्थल पर आशा उपस्थित नही थी।	सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने एवं सभी अभिलेख पूर्ण / अद्यतन करने हेतु सुझाव दिया गया।	ब्लाक स्तर पर– चिकित्सा अधिकारी / ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक / ब्लाक कम्युनिटी प्रासेस मैनेजर
बच्चो की बजन, बी0पी0 मशीन, थर्मामीटर, पन्चर प्रुफ बाक्स, यूरिन टेस्ट किट एवं ब्लड टेस्ट किट सत्र स्थल पर उपलब्ध नही था।		
कुपोषित बच्चों के परीक्षण के लिये एम0यू0ऐ0सी0 टेप उपलब्ध नहीं था, जिससे कुपोषित बच्चों का चिन्हिकरण व बच्चों को एन0आर0सी0 रेफर नहीं किया जा रहा था।		
सत्र स्थल पर हाई रिस्क प्रेगनेंसी का अलग से रजिस्टर उपलब्ध नहीं था।		

संलग्न– चेकलिस्ट।

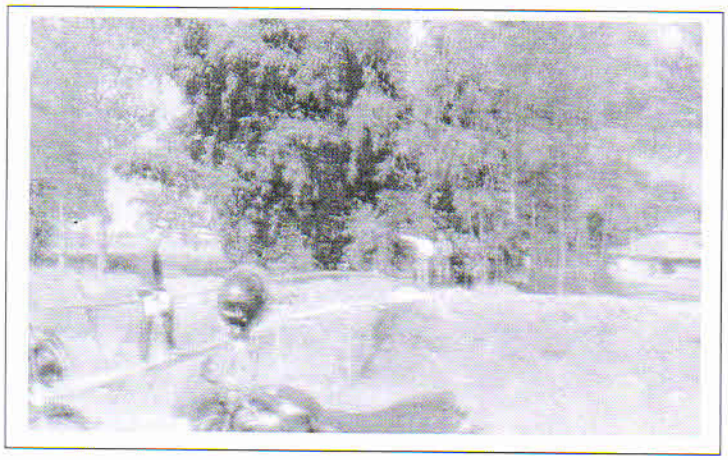

सामुदायिक गतिविधियॉ (वी.एच.एन.डी.सत्र)

ग्राम– नौगवाँ नन्दलाल
ए0एन0एम0– श्रीमती सुमन कुमारी
आशा– श्रीमती प्रेम शीला
आगनवाणी कार्यकर्ता– श्रीमती निर्मला श्रीवास्तव

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	आपेक्षित कार्यवाही का स्तर
सत्र स्थल पर कियाशील बी0पी0 मशीन, थर्मामीटर उपलब्ध नही था।	सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने एवं सभी अभिलेख पूर्ण / अद्यतन करने हेतु सुझाव दिया गया।	ब्लाक स्तर पर– चिकित्सा अधिकारी / ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक / ब्लाक कम्युनिटी प्रासेस मैनेजर
गर्भवती / प्रसूती महिला, लक्षित दम्पत्ति सूची, एच0आर0पी0 सूची आदि उपलबध नहीं थी।		
सत्र स्थल पर हाई रिस्क प्रेगनेंसी का अलग से रजिस्टर उपलब्ध नहीं था।		
कुपोषित बच्चों के परीक्षण के लिये एम0यू0ऐ0सी0 टेप उपलब्ध नहीं था, जिससे कुपोषित बच्चों का चिन्हिकरण व बच्चों को एन0आर0सी0 रेफर नहीं किया जा रहा था।		

संलग्न– चेकलिस्ट।

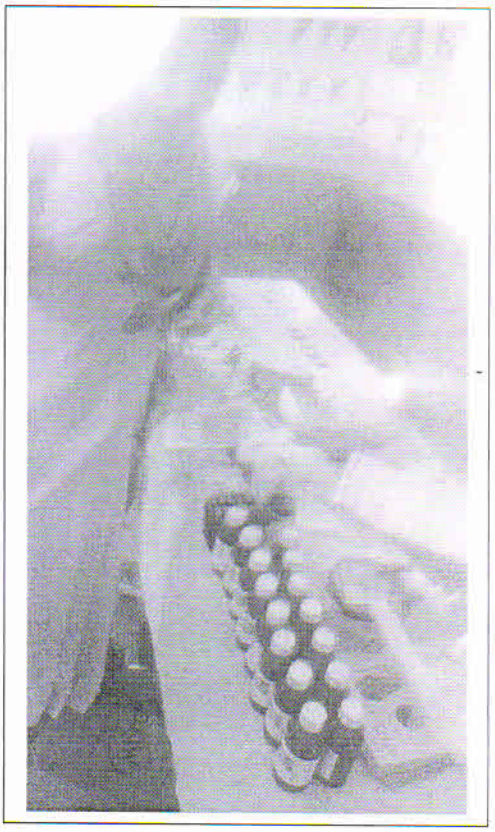

जिला संयुक्त चिकित्सालय, सोनभद्र

सम्पर्क अधिकारी– डा0 प्रेम बहादुर गौतम (सी0एम0एस0)

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	आपेक्षित कार्यवाही का स्तर
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था के सम्बन्ध में अधीक्षक महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि ठेकेदार द्वारा मशीनीकृत साफ सफाई नहीं की जा रही है। जबकि सुपरवाइजर द्वारा कहा गया कि मशीनीकृत साफ सफाई नियमित रूप से की जा रही है।	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने व अधिकारियों द्वारा रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया। प्रतिदिन मशीनीकृत साफ सफाई हेतु सुपरवाइजर को निर्देशित किया गया साथ ही चिकित्सा अद्यीक्षक महोदय को निविदा में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मानीटरिंग प्रपत्र में प्राप्त प्राप्तांकों के आधार पर ही भुगतान किये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
वार्ड में स्थित शौचालय तालाबन्द पाये गये तथा साफ–सफाई संतोषजनक नहीं है, लगभग सभी वाश बेसिन एवं यूरिनल में निकासी का पाइप निकला हुआ था।	परिसर में स्थित सभी शौचालयों को खोलने तथा समुचित साफ सफाई हेतु सुपरवाइजर को निर्देशित किया गया साथ ही सभी वाश बेसिन एवं यूरिनल में निकासी का पाइप लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया	
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी। जो आई0ई0सी0 उपलब्ध थे वे पुराने थे तथा पर्याप्त नहीं थे।	अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्यक्रमों यथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन आदि की उपलब्ध सुविधाओं व सेवाप्रदाताओं का विवरण, फैमिली प्लानिंग इण्डेमनिटी स्कीम आदि का वाल पेन्टिंग के माध्यम से डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	
एन0आर0सी0 के रसोईघर में साफ–सफाई ठीक नहीं थी। रसोईघर की खिड़कियों में कांच एवं जाली नहीं है।	रसोईघर में साफ–सफाई ठीक रखने तथा रसोईघर की खिड़कियों में कांच एवं जाली लगाये जाने का सुझाव दिया गया।	
लेबर रूम में सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकालपोस्टर्स, हैण्डवाशिंग एरिया आदि मानकानुसार नहीं पायी गयी, लेबलिंग नियमानुसार नहीं की गयी थी।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व मेन्टर्स के सहयोग से लेंबर रूम में सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकाल पोस्टर्स आदि लगवाने का सुझाव दिया गया।	
मेनस्ट्रीमिंग आफ आयुष के अन्तर्गत चिकित्सालय में निर्मित आयुष विंग फर्नीचर इत्यादि हेतु रू0 5.00 लाख की धनराशि से क्रय दिशा–निर्देशानुसार नहीं किया गया है तथा सामान भी उपलब्ध नहीं है।	आयुष विंग में फर्नीचर इत्यादि हेतु रू0 5.00 लाख की धनराशि से क्रय के सम्बन्ध में उपलब्ध अभिलेखों तथा प्रदत्त दिशा–निर्देशों का अवलोकन कर आयुष विंग में तदानुसार आवश्यक उपकरण एवं फर्नीचर उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	
मेनस्ट्रीमिंग आफ आयुष के अन्तर्गत चिकित्सालय में निर्मित आयुष विंग में प्रदत्त दिशा–निर्देशों के विपरीत 04 संविदा आयुर्वेद चिकित्सक (डा0 विनोद कुमार, डा0 अरूण चौबे, डा0 विद्यावती एवं डा0 मीनू) तथा 01 संविदा आयुष फार्मासिस्ट तैनात हैं।	आयुष विंग में दिशा–निर्देशों के अनुरूप संविदा पर 04 आयुर्वेद चिकित्सकों के स्थान पर 01 होम्योपैथिक, 01 यूनानी एवं 01 आयुर्वेद चिकित्सक तथा तदनुसार ही विधावार फार्मासिस्ट तैनात करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी

जिला संयुक्त चिकित्सालय में स्थित आयुष विंग का निरक्षण किया गया जिसमें 01:55 दोपहर को सभी चिकित्सक (डा0 विनोद कुमार, डा0 अरूण चौबे, डा0 विद्यावती एवं डा0 मीनू) अनुपस्थित पाये गये। डा0 मीनू अपना ओ0पी0डी0 रजिस्टर घर ले गयीं थी तथा डा0 अरूण चौबे द्वारा अक्टूबर माह में कई कार्यदिवसों में लगभग 10 मरीज अथवा उससे कम (न्यूनतम मात्र 02 मरीज तक) ओ0पी0डी0 सम्पादित की गयी है, जो कि निर्धारित औसत ओ0पी0डी0 से अत्यधिक कम है।	आयुष विंग में सम्बद्ध 03 अतिरिक्त आयुर्वेद चिकित्सको को जनपद में प्रमुख सचिव महोदय के निर्देशों के कम में रिक्त एडीशनल पी0एच0सी0 में भेजे जाने तथा सभी संविदा आयुष चिकित्सकों को कार्य में आपेक्षित सुधार हेतु स्पष्टीकरण माँगने एवं सुधारात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक

मिशन निदेशक महोदय, एन0एच0एम0 उ0प्र0 द्वारा प्रदत्त निर्देशों के क्रम में राज्य स्तरीय टीम द्वारा द्वारा दिनांक 01 नवम्बर 2018 को जनपद सोनभद्र का भ्रमण कर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अन्तर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमो की मदवार, भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कक्ष में की गयी, जिसमें जनपदीय नोडल अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला लेखा प्रबन्धक, जिला कम्यूनिटी प्रोसेस प्रबन्धक के साथ ब्लाक स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित थे। जनपद को प्रत्येक मदो में प्राप्त धनराशि का भौतिक उपलब्धि के सापेक्ष वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए भौतिक उपलब्धि के सापेक्ष शत–प्रतिशत भुगतान हेतु निर्णय लिया गया।

जिला लेखा प्रबन्धक के साथ प्रत्येक एफ0एम0आर0 कोड के सापेक्ष व्यय किये जाने के सम्भावित धनराशि का विश्लेषण करते हुर्ए अक्टूबर माह का एक्शन प्लान बनवाया गया समीक्षा बैठक में मुख्य बिन्दुओ को संदर्भित करते हुए निर्देश दिया गया कि–

1. ब्लाक चोपन में जे0एस0वाई0 भुगतान एवं पुरूष महीला नसबंदी कम हैं जिसमे सुधार कि आवश्यकता है । चोपन में सपोर्टिव सुपरविजन के वाहन का भुगतान रू0 149000 कमिटेड था जिसपे ब्लाक लेखा प्रबधंक द्वारा बताया गया कि बिल के अभाव में भुगतान नही किया जा पा रहा है जिस पर वाहन स्वामी को अंतिम चेतावनी देते हुये बील मंगाकर भुगतान करने को कहा गया।
2. ब्लाक ककराही के ब्लाक कार्यकम प्रबंधक को आदेशीत किया गया कि प्रेरक के साथ एक बैठक करें जिसमें मुख्य चिकित्सधिकारी को आमंत्रीत किया जाय। सास बहु सम्मेलन का भुगतान कम होने पर ब्लाक कार्यकम प्रबधंक द्वारा लिखीत रूप में बैठक में दिया गया कि वह दिवाली के पहले सभी पेडेंसी खत्म कर देंगे।
3. सभी ब्लाक को कमिटेड राशी का खर्च प्लान तैयार एवं दिसंबर तक खत्म करने को निर्देशित किया गया। इसी कम में ब्लाक कार्यकम प्रबंधक, ब्लाक लेखा प्रबंधक, ब्लाक कम्युनिटी प्रोसेस

प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि वह अपना हर माह ब्लाक भ्रमण का टूर प्लान बनाएं एवं उसकि आख्या अनिवार्य रूप से एम0ओ0आइ0सी, डी0पी0एम0यू0 को भेजे।

4. सभी ब्लाक के सभी अधिक्षक/प्रभारी चिकित्साधिकारी को अपने एडीशनल पी0एच0सी0 से प्रस्तावीत कार्य का योजना लेकर एवं पिछला जो कार्य किया है उसका विवरण लेकर कार्ययोजना तैयार करने को निर्देशित किया गया।
5. जिला लेखा प्रबधंक द्वारा बताया गया कि 1 अक्टूबर 2018 से आशा भुगतान कि नयी गाइडलाइन प्रभारी हो गयी है एवं सभी भुगतान नयी गाइडलाइन के अनुसार करें।
6. ब्लाक में गठीत रोगी कल्याण समिति को रिनिवल करनें को कहा। एवं जनपद के समस्त इकाईयो में बायोमेट्रीक लगाने का निर्देश दिया।
7. ई–हास्पिटल इम्पेलिमेंटेशन को लागू करने को निर्देशित किया गया।
8. राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत वाहनो का अबिलंब ई टेण्डर करने को को निर्देशित किया गया।
9. समुदाय आधारित गतिविधियों यथा परिवार नियोजन, मातृ–मृत्यु समीक्षा, आशा भुगतान, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति, अनटाइड फन्ड एवं प्रधान मंत्री मातृ बंदना योजना की समीक्षा एवं भौतिक उपलब्धि के सापेक्ष शत–प्रतिशत भुगतान हेतु दिशा–निर्देश दिये गये।

बैठक में निम्नानुसार सुझाव दिये गये–

- आगामी 04 माह का प्लान बनाकर वित्तीय व भौतिक प्रगति सुनिश्चित किया जाए।
- ऑकड़ों की नियमित समीक्षा प्रत्येक स्तर के अधिकारियों द्वारा किया जाए। भिन्नता की भी जॉच सुधार करते हुए पोर्टल पर अपलोड कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- भ्रमण की गई स्वास्थ्य इकाईयों के फीडबैक से अवगत कराते हुए सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने का अनुरोध किया गया।
- ब्लाक स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में समस्त जानकारियों से समुदाय स्तरीय कार्यकर्ताओं को अवगत कराते हुए उनका क्षमतावर्धन किया जाये जिससे उपलब्धि बढ़ाई जा सके।
- प्रत्येक माह सामुदायिक कार्यकर्ताओं के कार्यों की समीक्षा की जाये व आगामी माह हेतु उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों के बारे में निर्देशित किया जाय।
- रोगी कल्याण समिति की शासी निकाय एवं कार्यकारी समिति की बैठकें नियमित अन्तराल पर आयोजित नहीं की जा रही हैं। बैठकों का आयोजन नियमित किये जाने का सुझाव दिया गया।
- आशा शिकायत कमेटी की बैठके नहीं की जा रही थीं। बैठकों का नियमित आयोजन कराये जाने का सुझाव दिया गया।

डा0 किर्तेश आन
सलाहकार (आयु.)
एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम.